शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर द्वारा विभिन्न कार्यक्रम/मेलों (अगस्त 2017 से जनवरी 2018 तक) में की गयी भागीदारी का विवरण

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर द्वारा अगस्त 2017 , सितंबर 2017 एवं जनवरी 2018 में कुल पाँच कार्यक्रम/ मेलों में भागीदारी की गयी , जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

1. ***कृषि विज्ञान केंद्र,काजरी,जोधपुर द्वारा आयोजित "न्यू इंडिया संकल्प से सिद्धि" कार्यक्रम में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की भागीदारी***

कृषि विज्ञान केंद्र , काजरी , जोधपुर द्वारा दिनांक 21 अगस्त 2017 को “न्यू इंडिया संकल्प से सिद्धि” कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शुष्क क्षेत्र के लिए उपयुक्त नवीनतम तकनीकों (कृषि एवं पशुपालन संबंधी) से कृषकों को परिचित कराने के लिए विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। संस्थान की तरफ से एक स्टॉल लगाकर आफरी द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों व शोध कार्यों को प्रदर्शित किया गया तथा खेजड़ी मृत्यता की समस्या संबंधी पेम्पलेट वितरित किए गए । शुष्क क्षेत्रों में होने वाले विभिन्न औषधीय पौधों की जानकारी वाले पम्पलेट्स भी किसानों को वितरित किए गए। आफरी में हाइटेक नर्सरी में रूट ट्रेनर में विकसित पौधों को भी स्टॉल पर प्रदर्शित किया गया । संस्थान की वैज्ञानिक - डी श्रीमती भावना शर्मा तथा तकनीकी अधिकारी श्री गंगाराम चौधरी ने विभिन्न शोध कार्यों के बारे में किसानों को जानकारी प्रदान की। स्टॉल/प्रदर्शनी लगाने में श्री तेजा राम का सहयोग रहा।

INSTITUTE

Welcome
ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE
(AFRI)
JODHPUR
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान(आफरी),
जोधपुर

2. ***<u>आत्मा परियोजना के अंतर्गत दिनांक 15/9/2017 को "जिला स्तरीय किसान मेले" में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की भागीदारी</u>***

उप निदेशक एवं पदेन परियोजना निदेशक "आत्मा" जोधपुर द्वारा आत्मा परियोजना के अंतर्गत दिनांक 15/09/2017 को कृषि अनुसंधान केंद्र , मंडोर , जोधपुर में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) , कृषि विभाग , जोधपुर , कृषि विश्वविद्यालय , जोधपुर एवं समेकित कृषि विकास सोसाइटी , जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित "जिला स्तरीय किसान मेले" में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर ने भी भागीदारी की।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान द्वारा मेले में स्टॉल लगाकर पोस्टरों के माध्यम से विभिन्न शोध गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। मेले में आगंतुक किसानों एवं विद्यार्थियों ने स्टॉल का अवलोकन किया। स्टॉल पर आगंतुकों को विभिन्न जानकारियाँ उपलब्ध करायी गयी। उक्त प्रदर्शनी में संस्थान की ओर से डॉ. बिलास सिंह,वैज्ञानिक-बी, श्री महिपाल सिंह बिश्नोई अनुसंधान सहायक -द्वितीय ने स्टॉल पर आगंतुक किसानों एवं विद्यार्थियों को विभिन्न जानकारियाँ उपलब्ध करायी।

स्टॉल एवं प्रदर्शनी लगाने में श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

3. *दिनांक 23/09/2017 को केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) द्वारा आयोजित किसान मेले में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर की भागीदारी।*

केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI), जोधपुर द्वारा दिनांक 23/09/2017 को आयोजित किसान मेला एवं किसान नवाचार दिवस में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान ,जोधपुर द्वारा स्टॉल लगाकर अनुसंधान गतिविधियों से संबन्धित सूचनाओं का प्रदर्शन कर भागीदारी की गयी। स्टॉल पर शोध कार्यों से संबन्धित सूचनाओं का पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही स्टॉल पर संस्थान की नर्सरी में तैयार पौधों का रूट ट्रेनर में प्रदर्शन तथा विभिन्न प्रकार के बीजों तथा वनोत्पाद का भी प्रदर्शन किया गया। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के तकनीकी अधिकारी श्री धानाराम एवं तकनीशियन श्रीमती मीता सिंह तोमर द्वारा स्टॉल पर आगंतुक किसानों को संस्थान की शोध गतिविधियों से संबन्धित विभिन्न जानकारियाँ उपलब्ध करायी गयी। प्रचार प्रसार हेतु संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न प्रचार प्रसार सामग्री का भी प्रदर्शन एवं वितरण स्टॉल पर किया गया। स्टॉल व प्रदर्शनी लगाने में श्री तेजराम का सहयोग रहा।

4. ***<u>पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव - 2018 में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर की भागीदारी (5 जनवरी 2018 से 14 जनवरी 2018)</u>***

दिनांक 5 जनवरी 2018 से 14 जनवरी 2018 तक जोधपुर में आयोजित "पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2018 " के केन्द्रीय पांडाल में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर ने स्टॉल लगाकर संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों को विभिन्न पोस्टरों आदि के द्वारा प्रदर्शित किया ।

स्टाल में विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियां : टिब्बा स्थिरीकरण में सतही वनस्पति का उपयोग,शुष्क क्षेत्रों के लिए कृषि उपज मॉडल , नमक प्रभावित बंजर भूमि का पुनर्वासन, जैव जल निकास से जल भराव क्षेत्र का पुनर्वासन, जल प्रबंधन , शुष्क क्षेत्रों के लिए शस्य चारागाह उपज मॉडल्स , संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी , संस्थान के शोध प्रभागों का विवरण , बीज एवं कलम द्वारा गुग्गल का प्रवर्धन , अरडू के क्लोनल प्रवर्धन की ग्राफ्टिंग तकनीक का विकास , खेजड़ी प्रबंधन , पादप बीजोद्यान एवं आनुवंशिक परीक्षण कार्यक्रम,कायिक प्रजनन विधियों , पोधरोपण के लिए सूक्ष्म जल संग्रहण क्षेत्र , राजस्थान और गुजरात के जंगलों में कार्बन प्रच्छादन आदि विषयों से संबन्धित जानकारी को प्रदर्शित किया।

स्टॉल पर चंदन , अंजन , रीठा , चिरोंजी , सफेदा संकर बीज , सोनामुखी , धोक , धावड़ा, अरडू, नीम, शीशम, रोहिड़ा, सागवान, पार्किंसोनिया, खेजड़ी, करंज, सुबबूल, सरेस,कचनार,गुलमोहर,बांस,चुरेल,काला धामण व सफ़ेद धामण के बीज, देशी बबूल, कुमठ, गुग्गुल के गोंद , करंज का तेल , सफ़ेद मूसली , शतावरी, अश्वगंधा की जड़े आदि सामग्री प्रदर्शित की गई ।

संस्थान की पौधशाला में तैयार बेल पत्र , सेमल , कुमठ , मीठा जाल ,खारा जाल धोक, नीम , निर्गुंडी , खेजड़ी , रोहिड़ा , अर्जुन , चन्दन , केर , वृक्ष प्रजातियाँ तथा

अश्वगंधा, शतावरी, तुलसी, दमा बेल , वज्रदंती, हारसिंगार, गुग्गुल, सफ़ेद मूसली इत्यादि औषधीय पौधों को रूट ट्रेनर में प्रदर्शित किया।

स्टॉल पर संस्थान की अनुसंधान गतिविधियां तथा तकनीकी विवरण वाली सूचना पुस्तिका तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारी से संबन्धित विभिन्न प्रकार के पर्चे भी वितरित किये गये ।

कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने आगंतुकों को प्रदर्शनी एवं अन्य वानिकी विषयों पर जानकारी दी ।

संस्थान के स्टॉल के प्रभावी संचालन तथा संस्थान की गतिविधियों से जनसमूह को अवगत कराने के महत्वपूर्ण कार्य में श्री थानाराम राठौड़ -सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री प्रेम राज नागौरा-वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्रीमती कुसुम परिहार- तकनीकी अधिकारी , श्री महिपाल बिश्नोई - तकनीकी अधिकारी , श्री धानाराम- तकनीकी अधिकारी ,श्री प्रेम सिंह सांखला-तकनीकी अधिकारी,श्री अनिल सिंह चौहान-तकनीकी अधिकारी, श्री सुनील चौधरी- तकनीकी अधिकारी, श्री अमीन उल्लाह खान-तकनीकी अधिकारी ,श्री जय प्रकाश दाधीच- तकनीकी अधिकारी,डॉ.अशोक कुमार परमार- तकनीशियन,श्री राजेश मीणा -तकनीशियन, श्री सोहन लाल गर्ग - तकनीशियन, श्रीमती मीता सिंह तोमर - तकनीशियन , श्री कुलदीप शर्मा-तकनीशियन तथा श्री महिपाल सिंह -अ.श्रे.लि. की सहभागिता रही।

संस्थान के कार्यालय परिचारिक श्री तेजा राम , कार्यालय परिचारिक श्री लादूराम मेहरा, कार्यालय परिचारिक श्री जगदीश प्रसाद , कार्यालय परिचारिक श्री आर.पी. नायक, एम.टी.एस. श्री ज्योति प्रकाश , एम.टी.एस. श्री राजाराम , एम.टी.एस. श्री सवाई सिंह राजपुरोहित , कार्यालय परिचारिक श्री कैलाश चंद शर्मा , कार्यालय

परिचारिक श्री जितेश मीणा का संस्थान स्टॉल की देखरेख एवं व्यवस्था में सहयोग रहा।

उत्सव में स्टॉल लगाने की व्यवस्था संबंधी कार्य डॉ. बिलास सिंह , सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री महिपाल विश्नोई , तकनीकी अधिकारी , श्री धाना राम , तकनीकी अधिकारी एवं श्री तेजाराम , कार्यालय परिचारक द्वारा सम्पन्न किया गया।

वन अनुसंधान संस्थान (आफरी)
न्यू पाली रोड, जोधपुर

संस्थान (आफरी)
न्यू पाली रोड, जोधपुर
वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, आई.एस.ओ. 9001:2008 प्रमाणित संस्था
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था)

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी)

प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियाँ
ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE

प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियाँ

प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियाँ

प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियाँ

5. ***<u>कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ; कृषि, कॉपरेशन, एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार के सहयोग (collaboration) से कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कृषि मेले (Regional Agriculture Fair) में शुष्क वन अनुसंधान अनुसंधान , जोधपुर की भागीदारी दिनांक 29 से 31 जनवरी,2018</u>***

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; कृषि, कॉपरेशन, एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कृषि मेले (Regional Agriculture Fair) में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान ,

जोधपुर ने भागीदारी की। संस्थान की ओर से स्टॉल लगाकर दिनांक 29 से 31 जनवरी,2018 तक अनुसंधान गतिविधियों से संबन्धित विभिन्न सूचनाओं का पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला में तैयार पौधों का रूट ट्रेनर में प्रदर्शन किया गया। संस्थान के वन पारिस्थितिकी प्रभाग के श्री गंगाराम चौधरी तकनीकी अधिकारी द्वारा तीन दिवस तक स्टॉल पर आगंतुक किसानों का रूट ट्रेनर से पौधे तैयार की करने विधि व इसके लाभ , पौधशाला में होने वाले प्रमुख रोग,जैविक खेती की उपयोगिता तथा तैयार करने की विधि, नर्सरी की स्थापना और प्रबंधन, अवक्रमित पहाड़ियों के पुनर्वासन के दौरान कार्बन संचयन,अच्छे बीजों का महत्व, चयन की विधि एवं एकत्रीकरण, राजस्थान में खेजड़ी मर्त्यता कारण , समस्या एवं समाधान के बारे में , जल संरक्षण की उपयोगिता एवं संरक्षण के तरीके , वनों के लाभ एवं वनीकरण की आवश्यकताएं , मृदा संरक्षण एवं मृदा प्रबंधन,वर्तमान में हो रहे जलवायु परिवर्तन व इसको रोकने हेतु आवश्यक उपाय ,ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध गोचर , ओरण व अन्य सार्वजनिक भूमि की उपयोगिता व उसमें ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना, कृषि वानिकी को अपनाने हेतु इसके लाभ व उपयोगी प्रजातियों जैसे कि खेजड़ी , रोहिडा, मोपेन, कचनार, बेर,आंवला के बारे में, चन्दन के पौधों की नर्सरी तैयार करना व चन्दन का वृक्षारोपण करने की विधि व सावधानियों के बारे में , खेजड़ी,तुलसी, अश्वगंधा, कालमेघ, नीम , मुलैठी , गिलोय , कुमठ , सफ़ेद मूसली, रतनजोत , सर्पगंधा , ईसबगोल, गुग्गल, अरडू आदि प्रजातियों की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गयी । स्टॉल पर संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न प्रचार प्रसार सामग्री का भी वितरण किया गया। मेले में स्टॉल व प्रदर्शनी लगाने में श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी भा.व.से. ने "वन्य वृक्षों का फसल उत्पादन में महत्व" विषय पर संभाषण द्वारा वर्तमान पर्यावरणीय परिदृश्य के मद्देनजर वृक्षों की महत्ता बताई तथा कृषि वानिकी के अंतर्गत खेती के साथ-साथ पेड़ भी पनपाने का महत्व बताया।

52

52
वनों के लाभ